ज्यादातर पत्र व्यक्तिगत मामलो मे क्वार्टर के आवंटन, स्थानातरण आदि को लेकर होते है । ऐसे व्यक्तिगत मामलों के अधिकतम पत्रो की पावती भेजने का ध्यान रखा जाता है और इन पत्रो पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करने के प्रयास किए जाते है । सांसदों से प्राप्त पत्रों पर निगरानी रजिस्टर में ऐसा कोई संकेत नहीं होता कि भेजा गया जवाब नकारात्मक था या सकारात्मक था ।

Reserved Vacancies in Group 'D' Post in Electrical Coordination Circle of CPWD.

3514. SHRI GHUFRAN AZAM : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is fact that a good number of vacancies in Group 'D' posts in the reserved category of Scheduled Tribes have been lying vacant in the Electrical Co-Ordination Circle of C.P.W.D. in its Delhi/New Delhi offices since long;

(b) whether it is also a fact that selected candidates have also long awaited in queue for their 'OFFER OF APPOINTMENT';

(c) if the answer to part (b) above be in the negative, the names of selected candidates against the said reserved vacancies who have been issued OFFERS OF APPOINTMENT ; and

(d) what action is being contempalated in the matter ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON) : (a) to (d) The Electrical Coordination Circle is not dealing with Group 'D' posts. However, there was a backlog of 178 posts in various categories in workcharged establishment equivallent to Group 'D' as on 1-4-93 as per the following details :—

(i) Assistant Pump Operator	10
(ii) Beldar	95
(iii) Assistant Wireman	9
(iv) Serviceman (AC & R)	3
(v) Khallasi	55
(vi) Assistant Mason	6
	178

Out of this, 87 posts have since filled up till 15-3-94 and the backlog on this date is only 91. The selected candidates have not waited in qulue for their offer of appointment.

Efforts are being made to fill up the remaining posts by giving wide publicity and these wll be filled up as soon as possible depending upon the availability of ST candidates.

गुजरात में शहरों के विकास हेतु आवंटित धनराशि

3515. **श्री गोपाल सिंह सोलंकी** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान गुजरात में अहमदाबाद, बड़ोदरा, सूरत, राजकोट और गांधीधाम के विकास हेतु कुल कितनी धनराशि खर्च किए जाने का विचार है ;

(ख) वर्ष 1992-93 में इस प्रयोजनार्थ बजट में कुल कितनी धनराशि आवंटित की गयी थी ;

(ग) क्या सरकार इन क्षेत्रों के अन्तर्गत आने वाले स्थलों के विकास हेतु इन शहरों को संसाधन उपलब्ध कराने का विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो तत्सबधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) वर्ष 1992-93 के दौरान इन क्षेत्रों के अन्तर्गत आने वाले स्थलों के लिए सरकार

द्वारा कौन-कौन से विकास कार्य आरम्भ किए गए हैं ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० के० थुंगन) : (क) और (ख) शहरी विकास राज्य विषय है और इस मंत्रालय द्वारा नगरों/कस्बों के विकास के लिए शुरू की गई केन्द्र प्रवर्तित विद्यमान योजनाएं गुजरात में अहमदाबाद वडोदरा, सूरत, राजकोट और गांधीधाम पर लागू नहीं होती। तथापि, गुजरात के लिए विश्व बैंक सहायता प्राप्त "गुजरात नगर विकास"—नामक परियोजना के तहत 92-93 के दौरान विभिन्न नगर/नगर पालिकाओं को निम्नलिखित धनराशि दी गई है :—

अहमदाबाद—552 लाख रु०,

सूरत—325 लाख रुपए,

वडोदरा—95 लाख रु०, और

राजकोट—31 लाख रु०।

(ग) और (घ) भारत सरकार की निधियां विशिष्ट नगरों को उपलब्ध कराने वाला कोई विशिष्ट प्रस्ताव नहीं है क्योंकि वे शहरी विकास की केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के अन्तर्गत नहीं आते। जहां तक राज्य सरकार का संबंध है, विभिन्न विकास शीर्षों के तहत राज्य आयोजना में प्रावधान किए जाते हैं। इन राज्य आयोजना प्रावधानों में से कुछ व्यय सूचीबद्ध नगरों में किए जाने की संभावना है। चूंकि कोई भी निधि किसी नगर विशेष के लिए विशेष रूप से निर्धारित नहीं है, अतः आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान विशिष्ट नगरों में व्यय की जाने वाली राज्य निधियों के संतोषप्रद अनुमान बताना सम्भव नहीं है।

(ङ) विश्व बैंक परियोजना के तहत वर्ष 1992-93 के दौरान अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट के लिए स्लम सुधार, जल आपूर्ति, नगर नियोजन योजना, क्षेत्र विकास, कम लागत स्वच्छता, शहरी परियोजनाओं के लिए उदार ऋण आदि जैसे कार्यक्रम शुरु किए गए हैं।

Augmentation of Drinking Water Supply in Cities of Andhra Pradesh

3516. DR. NARREDDY THULASI REDDY : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether the Government of Andhra Pradesh has submitted a project proposal for Augmentation of drinking water supply to the twin cities and 9 surrounding municipalities from fore-shore of Nagarjuna Sagar ;

(b) if so, the details thereof ; and

(c) what action has been taken thereon ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI P. K. THUNGON) : (a) to (c) A project identification report on Augmentation of Water Supply to the twin cities of Hyderabad and Secunderabad from the fore-shore of Nagarjuna Sagar at an esitmated cost of Rs. 640 crores has been posed to the World Bank for possible assistance. A further proposal for inclusion of additional municipalities is awaited from the State Government.

दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा यमुना विहार आवास योजना के अधीन प्लाटों की नीलामी

3517. **श्री रामसिंह राठवा** : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली प्राधिकरण ने 12 अगस्त, 1991 को यमुना विहार आवास योजना के अन्तर्गत कतिपय प्लाटों के लिए नीलामी आयोजित की थी ;

(ख) यदि हां, तो नीलाम किए गए प्लाटों की कुल संख्या कितनी थी और जिन व्यक्तियों ने ये प्लाट खरीदे थे, क्या उन्होंने इन प्लाटों के लिए पूरी अदायगी कर दी थी :

(ग) इन प्लाटों की पूरी अदायगी किए जाने के बाद भी जिन व्यक्तियों को अब तक उपरोक्त प्लाटों का कब्जा नहीं दिया गया है, उन व्यक्तियों का ब्यौरा क्या है ;